

(b) the category of workmen who are entitled;

(c) whether those getting regular leave under Government orders are also entitled; and

(d) if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA):

(a) to (d). Leave travel concessions is admissible to all the industrial and work charged staff who are entitled to regular leave and have completed one year of service; their number is not readily available. However, contingency paid staff and casual labourers are not entitled to leave travel concession, because of the nature of their employment.

ANDAMAN SPECIAL PAY

5163. SHRI K. R. GANESH : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether industrial staff recruited from mainland are entitled to Andaman Special Pay;

(b) if so, whether they are entitled to free passage as others recruited from mainland are; and

(c) if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA):

(a) to (c). Andaman Special Pay is being allowed to the industrial staff under the general orders contained in the Ministry of Home Affairs letter dated the 22nd January, 1951. However, the grant of free passage is governed by separate provisions contained in the Fundamental and Supplementary Rules. As the industrial staff are not governed by those Rules, they are not entitled to free passage.

हिन्दी अधिकारी

5164 श्री शिवचरण लाल : गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि.

(क) क्या यह सच है कि भारत सरकार के कुछ मंत्रालयों में हिन्दी सलाहकार समिति के सुझावों की उपेक्षा की गई है और हिन्दी

अधिकारियों की नियुक्ति अभी तक नहीं की गई है और इसके बजाय अवर-सचिवों अथवा अन्य उच्च अधिकारियों के लिये मासिक मानदेय मंजूर किया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह मानदेय मंजूर करने से पहले हिन्दी सलाहकार समिति की सहमति प्राप्त की गई थी;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) उन मंत्रालयों में हिन्दी अधिकारियों की नियुक्ति करने के लिये उनके मंत्रालय द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री बिद्या चरण शुक्ल) : (क) और (घ) 17 मंत्रालयों/विभागों में हिन्दी अधिकारी पहले ही से काम कर रहे हैं। 9 मंत्रालयों/विभागों में वरिष्ठ अधिकारी अपने सामान्य काम के अतिरिक्त हिन्दी संबंधी काम की देखभाल बिना मानदेय लिए कर रहे हैं। केवल स्वास्थ्य एवं पैट्रोलियम तथा रसायन मंत्रालय में ही एक एक अधिकारी को हिन्दी सम्बन्धी काम के लिये मानदेय दिया गया है।

(ख) और (ग). हिन्दी सलाहकार समिति की सहमति प्राप्त करना आवश्यक नहीं था।

हिन्दी असिस्टेंट

5165. श्री शिवचरण लाल : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में कार्य कर रहे हिन्दी असिस्टेंटों/अनुवादकों को पदोन्नत के कोई अवसर उपलब्ध नहीं हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि स्नातकोत्तर डिग्री धारी अधिकांश व्यक्तियों को हिन्दी में कार्य का 7-8 वर्ष का जो अनुभव है वह हिन्दी अफसर के पद के लिये अपेक्षित न्यूनतम योग्यताओं से कहीं अधिक योग्यता है ;